

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3---उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राविकार से बागशिव PUBLISHED BY AUTHORITY

स० 433]

मई िल्ली, शुक्र तर, श्रवसुबर 7, 1977 बाहि ल 15, 1809

No. 433

NEW DELHI, FAIDAY, OCTOBER 7, 1377/ASVINA 15, 1899

इस भाग में भिश्व पुष्ठ संबदा दी जासी है जिसी कि यह प्राचन संकलन के कर मे एका जा सहै।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(STOCK EXCHANGE DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th October 1977

S.O. 709(E)—The Central Government, having considered the application for renewal of recognition made under section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) lead with rule 7 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, by the Calcutta Stock Echange Association Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the Exchange) and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 4 of the said Act, recognition to the Exchange, under section 4 of the said Act for a further period of five years commencing on the 10th day of October, 1977, and ending with the 9th day of October, 1982, in respect of contracts in securities, subject to the conditions stated herein below and such other conditions as may be prescribed or imposed hereafter.

CONDITIONS

1. No person shall be allowed to continue as President or Vice-President of the Exchange for a period of more than three consecutive years.

- 2. While the existing members may be allowed to continue irrespective of their educational qualifications, the new entrants shall be required to have passed matriculation or an equivalent examination for acquiring the membership of the Exchange.
- 3 The Articles of Association of the Exchange shall be amended for the purpose aforesaid as early as possible but in no case later than a period of one year from 10th October, 1977.

[No. F. 1/12/SE/77]

A. V. GANESAN, Jt. Secy.

वित मंत्रालय

(दार्थिक कार्य विभाग)

(स्थाक एक्सबेंज प्रभाग)

प्रधिसूचना

नई विल्ली, 7 मन्तू बर, 1977

का० गा० 709 (म).—केन्द्रीय सरकार, कलकत्ता स्टाक एक्सचेंज एसोसिएशन लिमिटेड, कतक्ता (जिते इ लें इतके पश्चा एस्सचेंज कहा गया है) द्वारा प्रतिभृति संविदा (विनियमन) विवस, 1957 के नियम 7 के साथ रिट्रा प्रतिभृति संविदा (विनियमन) प्रधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 3 के श्रन्तर्गत मान्यता का नवीकरण किथे जाने के लिए दिए गये प्रावेदन पन्न पर जिजार करने और इस बात से सन्तुष्ट होने के बाद कि एसा करना व्यापार के हिन में सथा लोकहित में भो होगा, उन्त श्रधिनियम की धारा 4 के द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा इस एक्सचेंज को 10 श्रक्त्यर, 1977 से शुरू होने वाली श्रौर श्रक्त्य करने की समाप्त होने वाली पाच वर्ष को श्रीर श्रवधि के लिंगे, प्रतिभृतियों के संविदाशों के सबध में नीचे दी गई गती श्रौर ऐसी श्रन्य गतीं के मानुतार जो बाद में निर्धारित की जाएंगी श्रथवा लागू की जाएगी, मान्यता प्रवान करती है।

शर्ते

- किसी भी व्यक्तिको लगातार तीन वर्ष से मधिक की भविधि के लिए एक्सचेंज का मध्यक्ष भविषा उपाध्यक्ष नहीं बने रहने दिया जाएगा ।
- 2. हालांकि वर्तमान सदस्यों को, चाहे उनकी शैक्षिक श्रहेंसाएं कुछ भी हों, सदस्य बने रहने दिया जाएगा लेकिन नए व्यक्तियों के लिए एक्सचेज की सदस्यता प्राप्त करने के वास्ते मैद्रिक पास या उसके समकक्ष परीका पास होना जरूरी होगा ।
- 3 मंस्था की भ्रत्नियमावली में उक्त प्रयोजन के लिए यथाशी झ संशोधन किया जाएगा लेकिन यह संगोधन किमी भी हालज में 10 श्रक्तूबर, 1977 में एक वर्ष की भ्रविध के शन्दर-भ्रन्थर कर लिया जाएगा।

[संख्या एफ० 1/12/एस० ६०/77]

ए० वी० गणेशन, संयुक्त सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मृद्राणालय, मिन्टी रोड, नई दिल्ली झारा मृद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली झारा प्रकाशित 1977

ED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, ELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977